HOUSING NEWS

(January – March 2006)

In this Edition

Activities during the quarter
In a nutshell …
Regulation & Supervision
Financing Activities
Resourcing of funds
Golden Jubilee Rural Housing
Rajbhasha

Articles +
Housing for the Urban Poor: O. P. Puri

फिनलैंड में आवास की स्थिति–
रंजन कुमार, प्रबंधक

म्युचुअल फंड में निवेश
पीयूष पांडेय, सहायक प्रबंधक

Press Room:
News Excerpts

Editorial Board

Mr. V. K. Badami, DGM (Editor),

Mr. Ranjan K. Barun, Manager

Ms. R. Ganguly, DM

+The views expressed by the authors in the articles published in the "Housing News" are their own. They do not necessarily reflect the views of the National Housing Bank or the organization they work for.

प्रिय पाठकगण,

आवास समाचार के इस अंक में जनवरी से मार्च, 2006 तिमाही के दौरान हुए कुछ विकास कार्यों पर प्रकाश डाला गया है। इस अवधि में, अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में व्याप्त प्रवृति के अनुसार ब्याज दरों में कुछ स्थायित्व देखा गया। फलस्वरूप, अनेक ऋणदाता एजेंसियों द्वारा अपने द्वारा दिए जा रहे ऋणों पर ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा की गई।

माननीय वित्त मंत्री द्वारा 28 फरवरी को संसद में वर्ष 2006–07 के लिए प्रस्तुत बजट भी आया। पहले की तरह आवास वित्त क्षेत्र में गृह ऋणों पर ब्याज का लाभ मिलता रहेगा।

हालांकि, राष्ट्रीय आवास बैंक के माध्यम से कैपीटल गेंन बाड़ों की प्राप्ति (नाबार्ड एवं सिडबी सहित) को वापिस लिए जाने से आवास वित्त के लिए उपलब्ध होने वाली निधियों पर प्रभाव अवश्य पड़ेगा।

पिछले वर्ष अप्रैल 2005 के अंक में हमने भारत में आवासीय क्षेत्र के लिए स्थावर सम्पदा मूल्य सूचियां तैयार करने की एक परियोजना आरम्भ करने की घोषणा की थी। भारत में इस प्रकार की पहली परियोजना होने के कारण, कार्य करने में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

हालांकि, वित्त मंत्रालय, रिजर्व बैंक, राष्ट्रीय आवास बैंक और अन्य संस्थानों के संयुक्त प्रयासों से कुछ प्रगति हुई है। हमने इस अंक में अभी तक प्राप्त सूचना को शामिल किया है।

''विश्व पर्यावास दिवस'' शानदार ढंग से 3 अक्तूबर, 2005 को नई दिल्ली में मनाया गया। इस अवसर पर, रा.आ. बैंक ने एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। पिछले अंक में हम श्री विशाल गोयल का निबंध ''शहर व ग्राम संबंध–सतत विकास हेतु अभिनवीकरण'' प्रकाशित कर चुके हैं। इस अंक में हमारे साथी श्री ओ.पी. पुरी द्वारा लिखित निबंध ''शहरी निर्धनों के लिए आवास'' का प्रकाशन पाठकों के लाभार्थ किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्राप्त निबंधों में इसे सर्वश्रेष्ठ तृतीय पुरस्कार के लिए संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया गया था।

सम्पादक

Dear Readers,

The current edition of housing news discusses some of the developments in the Bank during the quarter January to March 2006. During the period, the interest rates saw some firming up following trends in international and national markets. Consequently, various lending agencies announced an increase in the rates offered on their loan products.

We also had the Union Budget 2006-07 was presented by the Honorable Finance Minister in the Parliament on 28th February. The housing finance sector continued to be objects for the tax benefit on home loans. The withdrawal of access to Capital Gain Bonds from NHB (along with NABARD and SIDBI) is seen to have an impact on the cost of funds available for lending towards housing finance.

Last year, in the April 2005 issue we had mentioned the launch of a project for preparation of the Real Estate Price Indices for the residential housing segment in India. Being the first project of its kind in the country, the work was challenging in more ways than one. However, under the combined effort of the Ministry of Finance, Reserve Bank of India (RBI), NHB and other institutions, considerable progress has been made on the subject. We have given a coverage of the same in this edition.

The World Habitat Day was celebrated with usual grandeur on 3rd of October 2005 at New Delhi. To mark the occasion, NHB had conducted an essay competition. We have already published the essays on Urban Rural Linkages - Innovations for Sustainable Development by Shri Vishal Goyal in the last issue. In this edition, another essay on Housing for the Urban Poor written by our colleague Shri O. P. Puri is being published for the benefit of our readers. This article was a joint winner of the third best award for the articles submitted in the competition. Housing News congratulates our colleagues who participated in the competition.

Editor